Fourteenth Loksabha

Session : 5
Date : 05-08-2005

Participants : Kumar Shri Shailendra

>

Title : Problems being faced by Central Government Employees working in Health department.

श्री शैलेन्द्र कुमार (चायल) : सभापति महोदया, आपने मुझे स्पैशल मैंशन पर बोलने का समय दिया, इसके लिए आपका आभारी हूं। पूरे देश में सीजीएचएस कर्मी अपनी मांगों को लेकर हमेशा अनिश्चितकालीन हड़ताल करते रहते हैं। वे बहुत संयमित तरीके से अपनी मांग रखते आए हैं। कल इन्होंने बाकायदा हाजरी लगा कर थोड़ी देर बैठ कर जन्तर मन्तर में अनशन किया। इनकी बड़ी जायज मांगें हैं। इन्होंने यह मांग की है कि सभी रिक्त पड़े पदों को तुरन्त भरा जाए। अनुकम्पा के आधार पर 5 परसैंट कोटे को खत्म करके तुरंत शत-प्रतिशत किया जाए। 5 परसैंट के नाम पर भर्ती नहीं हो पाती है। हन्ड्रेड परसैंट भर्ती रुकी है। उनको वर्दी के दो सैट दिए जाते हैं। इन्होंने मांग की है कि आजकल बदलते मौसम को देखते हुए, कभी गर्मी पड़ती है, कभी बरसात आती है, कम से कम चार सैट वर्दी के दिए जाएं। एक मांग यह है कि इनको सिलाई के रेट बहुत कम दिए जाते हैं। इनको कम से कम मार्किट रेट पर सिलाई के रेट दिये जाएं। पांचवें वेतन आयोग की विसंगतियों को दूर करके, नए वेतनमान के तहत वेतन दिया जाए। निजीकरण और ठेकेदारी प्रथा को खत्म किया जाए। कम से कम हर पदों पर तीन पदोन्नति सुनिश्चित की जाए। एसीपी स्कीम को सही तरीके से लागू किया जाए। जिन पोस्टों में भर्ती के नियम एक जैसे हैं उसके स्केल बराबर के होने चाहिए। सभी स्वास्थ्यकर्मियों को तुरन्त रोगी देखभाल भत्ता देना चाहिए। स्वास्थ्यकर्मी की कटी हुई आकस्मिक अवकाश बहाल की जाए। इनकी जायज मांगें हैं। यदि इनकी जायज मागें मानी नहीं गई तो यह बिल्कुल काम नहीं करेंगे। आदमी का काम में मन लगता है तो रोगी के प्रति सेवा भाव आता है। माननीय मंत्री जी बैठे हैं। वह उनकी जायज मांगों को मानें तभी सही मायने में रोगियों की सेवा हो सÉBÉEäMÉÉÒ[R69]।